ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-8 No. 1 August 2020

''भारतवर्षमेंबलात्कार एकगम्भीरसमस्या

(एक बहुआयामीपरीक्षण/सामाजिकमनोवैज्ञानिक व न्यायिकपरिप्रेक्ष्य में)

डा0 रश्मिगुप्ता, एम.ए., पीएच–डी, असि0 प्रोफेसर, राजनीतिकविज्ञानविभाग, जे0एस0 हिन्दूपी०जी०कालिज, अमरोहा ।

प्रस्तुत अध्ययन भारतवर्षमें–बलात्कार' की अत्याधिक बढती घटनाओं के मुख्य कारकों यथामनोवैज्ञानिकसामाजिक, कानूनीपहलूओंपर एक गंभीरचिन्तनहै।जिसमेंउक्तअपराध में शामिलअपराधियों के चरित्र व मानसिकताजोकिउन्हेंउक्तअपराध करने के लिए प्रेरितकरताहै, के विषय में शोध का एक बिन्दुओंपरप्रकाशडालताहै।

ताजातरीन घटनाक्रममें 20 दिसम्बर 2019 कोजिला एवं सत्र न्यायालय तीसहजारीनईदिल्ली द्वाराविधायककुलदीप सिंह सेंगरउन्नाव की बिटिया से सामूहिकदुष्कर्म के दोसालपुरानेमामलेमेंदोषीभाजपाविधायककुलदीप सिंह सैंगरकोउम्रकैद की सजासुनाईऔर उस पर 25 लाख रूपये का जुर्मानाभीलगायाजोउसे एक माहमेंदेनाहोगाइसकेअतिरिक्तकोर्ट ने पीड़िता की माँ कोदसलाख रूपयेअतिरिक्तमुआवजादेने का भीनिर्देशदिया। कम सजादेने की अपीलपरतीसहजारीकोर्ट के जिलाजज धर्मेश शर्मा ने कहाकिसैंगर ने जोकियावहबिटियाकोडराने, धमकाने के लिए कहाहमेंनर्मीदिखानेवालीकोईबातनहींदिखीसेंगरलोकसेवकथाउसनेविश्वासघातकियाइसलिए मुरब्बतनहींकरसकते''। जबउक्तफैसलासुनायाजारहाथातोउक्तकुलदीपसेंगरपूरे समय अदालतमेंहाथजोड़े खडारहाफैसलाआतेहीवहकोर्ट रूम मेंफफक–फफककररोपड़ा। इस दौरानकोर्ट ने सेंगर की बहनऔरबेटीभीमौजूदथी, वहभीरोनेलगी।उक्तमामला 2017 का थासेंगरऔरउसकेसाथियों ने 2017 मेंपीडिताकोअगवाकरसामूहिमदुष्कर्मकियाइसीसालजुलाईमेंपीड़िता की कार की ट्रक से भिंडतहोगयीजिसमेंपीड़िता की चाची व मौसी की मौतहोगयी । उक्त घटना का आरोपभीसेंगरपरहीहैतथापीडिता के पिता की पुलिसअधिरक्षा मेंमौत का मामलाभीकोर्टमेंविचाराधीनहै । उक्तमामलेमेंचारबार के दबंगविधायककुलदीपसेंगर के खिलाफउन्नाव की पीड़िता ने जिसतरह से अपनीलड़ाईलडीवहअचंभितकरनेवालीहैहालत यह होगईथीकिसुप्रीमकोर्ट के निर्देशपरउससेसंबंधितसारेमामलेविशेषअदालतकोस्थानान्तरितकियेगये।

वेशक इस मामलेमेंअन्य मामलों की तुलनामेंजल्दफैसलाआयाहै, यह संस्थागत खामियोंकोभीउजागरकरताहै। सेंगर के रसूक का यह हालथाकिउसनेराजनैतिककैरियरकांग्रेसपार्टी

Copyright @ 2020 Authors

से शुरू कियावहबसपा, सपाऔरभाजपा से विधायकचुनागयाक्या इस फैसले से राजनैतिकदलकोईसबकलेगे ? वास्तवमेंपीड़िता की लडाईपूरीव्यवस्था से थीजो इस विधायककोपनाहदियेहुए थी।जिसमें उस पीड़िताऔरउसकेपरिजनोंकोदबाने के लिए हरसम्भवपैतराअजमायागया।हालत यह थीकिजबकिसीतरहवहविधायक के चुंगल से बाहरनिकलीतोथाने मे उसकीफरियादहीनहींसुनीगईऔरफिर उस परविधायकऔरउसकेभाई का नाम एफ.आई.आर. में न लिखवाने का दबावबनायागया।तत्पश्चातपीड़िता ने उ0प्र0 के मुख्यमंत्री योगीआदित्यनाथ के आवास के बाहरजबआत्मदाह की कोशिश की तबजाकरअमलाहरकतमेंआया। वहआजभीदिल्लीस्थित एम्स मेंजिन्दगी व मौत के बीचसंघर्षकररहीहै।[1]

अभीहालमेंतैलगाना के हैदराबादमेंदिसम्बर 2019 कोहैदाराबादमें एक महिलाचिकित्सकजोकिरात्रि लगभग 9:00 बजेअपनामेडिकलक्लीनिकबन्दकरके एक मेट्रोस्टेशनजहॉपरउसनेअपनीस्कूटीपार्क की थी, घटनास्थल से कुछफासलेपरपहुँचतीहै, वहाँ परउसकीस्कूटीअपराधियों द्वारा एक राय मशविराहोकर एक षडयंत्र के तहतजबरियापंचरकरदीतत्पष्चातउक्तमहिलाचिकित्सक की मदद के बहाने से उक्तअपराधीसुनियोजिततरीके से अपहरणकरकेउक्तमेट्रोस्टेशन से कुछदूर एक सुनसानजगलमेंलेजाकरउसकेसाथबलात्कार के उस जिन्दाजलादेतेहैताकिसाक्ष्य नष्टहोजायेऔरकोईगवाहीदेनेवाला न हो।

उक्तमामलेमें 06 दिसम्बर 2019 की सबह 5:45 बजे से 06:15 बजेबीचमेंतेलगानापुलिस द्वाराउक्तचारोअपराधियों का मौकेबारदातपरक्राइमसीन की दोहराने के दौरानभागने व पूलिसपरहमलाकियेजाने के कारणमौकेपरहीढेरकरदियागया।हैदराबादमेंडा०बिटियाकोदुष्कर्म के बादहत्याकरदेनेवालेआरोपियोंकोपुलिस एनकाउन्टरमेंमौतकोदेशभरमेंअगरजायजठहरायाजारहाहैतोलोगों की प्रतिक्रियाव्यवस्था के प्रतिउनकीगहरीनराजगी का सबूतहै।क्योंकिजहाँ एक तरफमहिलाओं के खिलाफअपराध बढ़ रहाहै, दूसरीओरअपराधियोंकोसजादेनेमेंदेरीहोरहीहै । देर से मिलान्याय भीन्याय कोमनाकरनेके बराबरहै।कानून से चलनेवालेसमाजमेंजिसतरहगैरन्यायिकहत्याओंकोसहीनहींठहरायाजासकता, उसीतरह एनकाउन्टरपर खुशीभी एक चिन्ता का विषय है, क्योंकिइससेसमाज के भीड़तंत्र मेंबदलने का खतराहै।वास्तवमेंलोगोंकोलगताहैकिअबन्याय इसीप्रकार से मिल सकताहै यहॉतककिकानूनबनानेवालेजनप्रतिनिधियों के एक बड़ेहिस्से ने भी एनकाउन्टर का समर्थनकिया,

Copyright @ 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-8 No. 1 August 2020

जबकि उन परकानूनऔरसंविधान की रक्षा करने की पूर्णरूपेणजिम्मेदारीहैऔर यह जनप्रतिनिधि भूलजातेहैकिपुलिस एनकाउन्टरपरलोगों की खुशीवास्तवमें खुदउनकीनाकामी का हीपरिचायकहै।इसका समाधान यह हैकिन्यायिकतरीके से अपराधियोंकोजल्दीसजादिलाने की दिशामेंसोचाजायें ।[2]

इससेपूर्व 16 दिसम्बर 2012 कोनईदिल्लीमें घटितनिर्भया के रेप के अपराधियोंकोन्यूनतम समय मेंसजा न दियाजानातथाउक्तबलात्कारियों द्वारानिर्भयाकोबलात्कारकरजीवितछोड़नेपरआरोपियों के विरूद्ध चश्मदीदसाक्ष्य देने के कारण से हीतेलंगाना मे आरोपियों ने महिलाचिकित्सककोपेट्रोलडालकरजलादिया।[3]

उक्तनिर्भयाकांड मे घटना के 24 घंटे के अन्दरछहोंअपराधियोंकोदिल्लीपुलिस द्वारागिरफ्तारकरलियागया।जिसमें से पांचअपराधी एक नाबालिगथा, जिसनेनिर्भया के साथसबसेज्यादाबर्बरता की थी।चलती बस मे एक महिलाके साथ छः लोगों द्वारादेष की राजधानी मे बलात्कारजैसाविभित्सकांडकियागयाजिससेपूरादेषहिलगयाथापूरेदेष मे प्रदर्षनहुयेथे।मोमबत्तीलेकरभारतलोगों द्वारादिल्ली मे प्रदर्षनकियागयाथापरन्तुउक्त घटना के सातवर्शबीतजाने के बादभीअपराधियोंकोआजभीफांसीनहींहुईहैजबकिआज से कईवर्शपूर्वजिला एवं सत्र न्यायालयों द्वारा छः मे से पांचअपराधियोंकोफांसी की सजासुनादीगयीथीजिसमें एक अपराधीनाबालिगहोने के कारणसजा से बच गयाऔर मुख्य अपराधी का नाम रामसिंह द्वारातिहाडजेल मे फांसीलगायेजाने के कारण खुदकुषीकरलीगयी।बाकीचारोंअपराधीकानून के लचीलेपन का सहारालेकरकभीपुनरीक्षण याचिका मा0 सर्वोच्चन्यायालय मे लगातेहैकभीमहामहिमराश्ट्रपति के यहांदया याचिकालगातेहै, येन–केन–प्रकारेणअपराधीगणतरह–तरह के प्रपंचरचकरकानून का मखौलबनातेहैजिससेजनसाधारण मे अत्यन्तरोशहै।ओडियों, वीडियों, बिजूअलप्रिंटमीडिया द्वाराउक्त घटनाकोकवरेजकरने मे बहुतहीक्रान्तिकारीकदमउठायागयाऔरपूरेदेष व विदेष से विभिन्नलोगों के विचारोंकोउक्त घटनाक्रम के विशय मे खुले रूप मे दर्षितकियागया।उक्त छः आरोपियों के विरूद्ध भारतीय दण्डसंहिता की धारा–307,201,365,376(2जी) व 377 के

Copyright @ 2020 Authors

तहतआरोपितकियागयातत्पष्चातनिर्भया की मृत्युहोजाने के पष्चातमामला 302 आई0पी0सी0 के तहतदर्जकियागया।[4]

निर्भयाअपनेलिये उन दरिन्दों से खूबलडीऔर इस घटना के बादअपनेकोजीवित रखनेहेतुउसनेजबरदस्तसंघर्शकियालेकिनमल्टीआर्गेन्सफेलुअर की वजह से 28 दिसम्बर 2012 कोउसकीमृत्युसिंगापुर मे होगयीऔरवहां से उसका षव लायागयाऔर 30 दिसम्बर 2012 कोभारीपुलिससुरक्षा के बीचउसकीअन्तेष्टिकरदीगयी।बलात्कार की मूलसमस्या के पीछेहमेंअपनेसामाजिककारणों की तरफजानाहोगा । भारतमेंअधिकांशतः पुरूष प्रधानपरिवारहोतेहै।जिसमें एक बच्चा शुरू से हीअपनेदादा व पिताकोअपने घर की दादी, मांबहनेअपनीमहिलासदस्याओंपरअधिपत्य व रौबको शुरू से ही देखताहैऔरवहस्त्रियोंकोअपनीसम्पत्ति समझने लगताहै।उसकी समझमेंआताहैकिमहिलाओका दबने व कुचलनेमेंहीपुरुषत्व है।उसकी इस सोचकोबचपनमें बढ़ावामिलताहैजहाँ बच्चासंस्कारहीनहोजाताहैऔरवहसमाजमेंमहिलाओंको एकदूषित्त दृष्टिकोण से देखनेलगताहैऔरवहमहिलाओंकोकमजोर समझकर उसपरअपनीताकत का प्रदर्शनबलात्कारकरकेकरनाचाहताहैइसकेअंतिरिक्तभारतवर्षमेंकानून व पुलिस की लचरप्रणालीइतनी खराबहैकिबलात्कारपीड़िताका अदालतमें एक बारफिरकानूनीबलात्कारहोताहैऔरवह शर्मसारहोकर यातोवहअपनाकेसवापिसलेलेतीहै या फिरवहसमाज से तिरस्कृत होकर एकगुमनामी का जीवन जीने लगतीहैइसलिए आधे से ज्यादामुकदमेंतोदर्जहीनहींहोतेहै।[5]

बलात्कार शब्द एक लेटिन शब्द 'टूसीज से लियागयाहैजोकिभारतीयदण्डसंहिता की धारा 375 मेंपरिमाषितकियागयाहैजिसकेअन्तर्गतकिसी स्त्रीके इच्छा के विरूद्ध उसकेसाथजबरन यौनसम्बन्ध स्थापितकरनाबलात्कारहै।भारतवर्षमेंबलात्कारकोसामाजिकसांस्कृतिकपरिवेशमें देखा जाताहै । वांस्तवमेंबलात्कारपीड़िताको शारीरिक रूप से ही क्षतिनहींपहुँचाताहैबल्किउसेसमाजमेंवहिष्कृत, परित्यक्त व उपहास का केन्द्रबनाताहैऔरज्यादातरभारतमेंबलात्कारनिकटतमरिश्तेदारों, मित्रों, व जानपहचानव्यक्तियों द्वाराहीकियेजातेहै।इनसबमेंसबसेभयानक 'गैंगरैप' होताहैजिसकोदो या दो से अधिकव्यक्तिमिलकरकिसीमहिला के विरूद्ध पाशविकतरीके से उसके

Copyright @ 2020 Authors

शरीरकोनोचतेहैऔरउसेमरणासनकरकेछोडदेतेहै।जिससेउसकापूरापरिवेषहीदूशितहोजाताहै।नेषनलक्राइमरिकॉर्डसब्यूरो के अनुसार 2011 मे भारत मे 24,206 बलात्काररिकार्डकियेगयेऔर 2007 से 2011 के बीच 9.2 प्रतिशतबलात्कार केमामलोंमेंवृद्धि हुई।भारतमेंप्रत्येक 20 मिनटमें एक औरत के साथबलात्कारहोताहै।''भारतमेंजहाँ बहुतसारीमहिलादेविया यथाकालीमाँ दुर्गामाँ, संतोषीमाँ,लक्ष्मी माँ पूजीजातीहैवहाँ परऔरतों के विरूद्ध बलात्कारमेंसालदरसालवृद्धि होरहीहै।प्रश्न यह हैकिभारतमेंरेपक्योंहोतेहै ? औरकिसकारण से व्यक्तिकिसीमहिला के साथबलात्कारकरताहै ? कौनसेकारक इस अपराध के लिएजिम्मेदारहै? वास्तवमेंहमेंअपनीसामाजिकसंरचना, सामाजिकविश्वासविधागिकाऔरसमाजमेंविद्यमानकुछमिथ का परीक्षणकरनाहोगाऔरउसकेसाथमें उनकारकों का भीपरीक्षणकरनाहोगाजोकिसीअपराधीकोबलात्कारकरने के लिएन केवलप्रेरितकरतेहैबल्किअपराध के प्रतिउसकीमानसिकताकोभी बढ़ावादेतेहै।तोपहलाकारणतो यह हैकिभारतकोऔरतोंको समझा दियाजाताहैकिवहपुरूषों की व्यक्तिगतसम्पत्तिहैइसलिए भारतमेंसबसेज्यादादहेजहत्या, यौनअपराध होतेहै।इसकेपश्चातदूसराकारणलैगिकभेदभाव का हैजिसकेविषय मेंभारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ०मनमोहन सिंह ने कहाथाकि''जबतकहमदेशकी आधीआवादीअर्थात स्त्रियों की अस्मिता की रक्षा करनाऔरसम्मानकरनातथाउनसेभेदमाव न करना शुरू नहींकरतेहैतबतककोईभीराष्ट्र, कोईसमाज,कोईरमुदाय अपनेसिरकोऊँचानहींकरसकताऔर इस सभ्य समाज का हिस्सानहींहोसकता।दुर्भाग्यवशमारतमेंजेन्डरअसमानताभी एक कारणहैजिसमें1000 पुरुषों पर 2011 के सर्वेक्षण के अनुसारकुल 914 स्त्रियाँ हीहै।[6]

यह किविवाह के पश्चातकिसी स्त्री कोपुत्र पैदाहोताहैतो उस स्त्री कोसम्मान की निगाह से देखा जाताहैऔरपुत्री पैदाकरनेपरउसी स्त्री कोरामाजद्वारातरह–तरह के उलाहनेदियेजातेहै।वास्तवमेंहमेंभारत के मूलभूतसोच केढांचे मे बदलवालानाहोगा।इसकेअतिरिक्तसांस्कृतिककारकभीबलात्कार का अपराध कियेजाने के जिम्मेदारहै।क्योंकिपुरूश कोसदैवबलवान समझा जाताहैऔरस्त्रियोंकोकमजोर।जबकिषिक्षा के क्षेत्र मे राजनीतिक क्षेत्र में, मेडिकल क्षेत्र में, न्यायिक क्षेत्र में, यथाहर क्षोत्र मेंमहिलायें परूषों से श्रेष्ठप्रदर्शनकररहाहैऔरउच्चपदासीनहैऔरबौद्धिक क्षमृताओंमेंकिसीपुरूषों सेकमतर नहीहैलेकिनस्त्रियोंकोपरिवारमेंदर्दसहनेअत्याचारसहनेऔरविरोध मेंआवाज नउठाने का उपदेशदियाजाताहै।हालत यहाँ तक खराबहैकि यदिकोईलडकास्कूल, कालिजजाते समय

Copyright @ 2020 Authors

किसीअपराधी द्वाराछेडीजातीहैतबभीवहअपने घरपरबातनहींबतातीहै।क्योंकिवहजानतीहैकिउसके घरवालेउसकीपढ़ाईछुडवादेंगे।[7]

भारतमेंऔरतों के प्रतिअपराध यथाउसकोछेडाजाना, तंगकियाजाना,गंदेमददेइशारेकरनाउसकासैक्सुअलउत्पीडनकरनाभारतीय दण्डसंहिता की धारा 354/509 मेंपरिभाषितहैलेकिनपुलिसइन्वेस्टिगेशन का हाल यह हैकिऔरतों के प्रतिअपराध के लिए उनकाइन्वेस्टिगेशन तंत्र बहुत धीमाहैऔरसजादिलायेजाने की मात्रा बहुत कम हैउल्टापीडिताकोहीमुकदमावापिसलेने, चुपरहने, समझौताकरने की सलाहदीजातीहैऔरअपराधीइन्हींकारकों का फायदालेकरआसानी से कानून से बच जातेहै।[8]

इसकेअतिरिक्तभारत की शिक्षा प्रणालीभीसैक्स एजूकेशनउचिततरीके सेन दियेजाने के कारण से भीदोषीहै । बल्ल्डहैल्थआर्गेनाइजेशन ने कहाहैकि''शुरूआतीसेक्स एजूकेशनसेक्सुअलगतिविधि को कम करतीहैऔरसुरक्षितसैक्सकी तरफलोगोंकोप्रोत्साहितकरतीहै ।'' लेकिनभारतवर्षमेंसैक्स की बातकरनापापऔरअपराध समझा जाताहैइसीकारण से मारतमेंज्ञान की कभी के कारणऔरउत्सुकताको शान्तकरने के लिए हीवलात्कारकियेजातेहैजहाँ अपराधियोंकोभलेबुरे का ज्ञाननहींहोता वो केवलमजेलेने के लिए और स्त्री कोअपनीदासी घोषितकरने के लिए कृत्य करतेहै।''[9]

इसकेअतिरिक्तभारतमें यौनअपराघों के लिए सबसेप्रमुख कारणगांवों सेशहर की ओरलोगों का पलायनहै । 290 मिलियनलोगवर्तमानमें शहरी क्षे मे रहतेहैजबकि 25 मिलियनलोगगांवो मे रहतेहैजोकि 1901 मे सर्वे के अनुसारहै।गांवोमेंरोजगार व तरक्की के सुअवसरउपलब्ध न होने के कारण षहर की ओरपलायनकिया।वर्ल्डअर्वेनाइजेषनप्रोसपेक्ट के अनुसार 2030 तकगांवो से षहर की ओरपलायनकरनेवालेलोगों की संख्या–497 मिलियनहोजायेगी।पलायन का दुश्प्रभाव यह होताहैकिलोगअपनीसंस्कृति, समाज, मर्यादाओं, मूलभूतविष्वासों व परिवार से कटजातेहै, अलगहोजातेहैऔरवह एकलपरिवारमेंनिरंकुशतरीके से षहरों मे जीवन यापनकरतेहैऔरतेजी से अपनीआर्थिकव्यवस्थाकोसुदृढबनातेहै। इस सब घटनाक्रम मे वहपष्चिमीसभ्यता के भारीप्रदर्षनोंकोअपनालेतेहैऔरअपनेपरम्परागत, संस्कारयुक्तज्वाईन्टफैमिलीकोतोडदेतेहैऔरविभिन्नप्रकार के

Copyright @ 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-8 No. 1 August 2020

हिंसकव्यवहारकरनेलगतेहैऔरनईटेक्नोलॉजीनईआइडियोलॉजीजैसेपोर्नमूवीज व हिंसकव्यवहार की तरफमुडजातेहैऔरनिरंकुषता की वजह से जानेअन्जाने यह बलात्कारजैसेजघन्य अपराध करनेलगतेहैऔरवहअपनीअदम मे इच्छाओंकोपूराकरने के लिये इस मार्ग का चयनकरलेतेहै।[10]

दिल्लीगैंगरेपमामलेंकोहमतीनचरणों मे स्थापितकरतेहै 1. अपराधी 2. पीडिता 3. प्रदर्षनकारी।वस्तुतः उक्तदिल्लीगैंगरेपमामले मे न्यूजचैनल, प्रिंटमीडिया व प्रर्दषनकारी ने न केवलदेष मे बल्किविदेषों मे भीइसकीगूंजस्थापितकरदी।परिणामस्वरूपपूरापुलिसप्रषासन, दिल्ली षासन व केन्द्रसरकारहिलगयीऔरपूरीतरहउक्तमामलें का विकेन्द्रीकरणकरकेआननफानन मे सभीमुल्जिमोंको 24 घंटे मे गिरफ्तारकरके यह साबितकियाकिवास्तवमेंसरकारें व जनमानसपीडिता के साथहै, अपराधियों के विरूद्ध है।अबइसकेदूसरेपहलूपरगोरकरतेहैकि इस गैंगरेप मे मीडियासक्रिय न हुआहोता, प्रदर्षन न हुयेहोतेऔरपीडितासामाजिकदबाव मे अपनामुंहबन्दकरलेतीतोवास्तव मे क्याउसकेसाथन्याय होपाता? जबाव यह हैकिकतईनहीं।[11]

वास्तव मे हमेंभारत मे स्थितविभिन्ननगरों, उपनगरों मे रहनेवालेव्यक्तियों के बीच एक संवादस्थापितकरनाहोगा, कार्यषालायें योजितकरनीहोगी, लडकियोंको मुखरबनानाहोगा, त्वरितन्याय की ओरअग्रसरितहोनाहोगा, ऐसीसामाजिकसंस्थायेंस्वयंसेवीसंस्थायेंजोकिन्याय व सामाजिकपरिवेषको एक सूत्र मे पिरोंसके।इसकेअतिरिक्तपुलिसप्रषासनऔरन्याय प्रषासनकोसक्रिय करनाहोगा। यह निर्विवादसत्य हैकिबलात्कार एक गंभीरअपराध हैऔरबलात्कारकोकरने के दौरानअपराधियों द्वाराजोपाषविकतरीकेपीडिता के विरूद्ध अपनायेंजातेहै।वहगंभीरचिन्तन का विशय हैऔरप्रस्तुतपेपर उन कारकोंकोविषलेशणकरताहैजोकिबलात्कारकोकियेजाने के जिम्मेदारहैवहकारकक्रमषः सामाजिक, सांस्कृतिक षैक्षिकवातावरणऔरव्यक्तिगतसोचहै।जिसकेविशय मे विभिन्नमाध्यमों से इस पेपर मे इसकानिदान खोजने की एक कोषिषहैजिसमेंसामाजिकचेतना का मुखरहोनाअत्यन्तआवष्यक है।बलात्कार के प्रतिसोचकोबदलनाऔरउसकोप्रेरित न कियेजानेहेतुप्रयासकियेजानेहोगेऔर एक नयासमाज की स्थापनाकरनीहोगी।[12]

Copyright @ 2020 Authors

–:संदर्भग्रन्थसूची:–

1. अमरउजाला 21 दिसम्बर 2019 सम्पादकीय प्रवाहन्याय की तार्किकपरिणति।
2. अमरउजाला 21 दिसम्बर 2019 दुश्कर्मीविधायकसेंगरकोताउम्रकैदपृश्ठ 1
3. अमरउजाला 07 दिसम्बर 2019 सम्पादकीय प्रवाह ''अपराध औरन्याय।
4. अमरउजाला 07 दिसम्बर 2019 पुलिस का इन्साफपृश्ठ 01।
5. इण्डियनपीनलकोड।
6. बेरन, एल एण्ड स्ट्रस एम (1987) ''फारथ्योरीजऑफरेप ए मैक्रोसोषियोलॉजिकल एनालाइसिस, सोषलप्रॉब्लम्स 34,467–489।
7. बोरपाई, जी0एस0 नन्दराम, एस0 पुला, एस0 सम्पथ, वी0 षर्मा0आर0 एण्ड सिंह, जे0 (2012) राइजिंग, इन्सीडेन्सऑफरेप एण्ड सैक्सरिलेटिडक्राइम्सअगेन्सटबूमेनइनइण्डियाफाउडेषनफॉरक्रिटीकलच्वाइसिसफॉरइण्डियाजनवरी 36 पृश्ठ।
8. गुल0 एस0के0 (2009) एन0 एवूलेषनऑफ द रेषनलच्वाइसथ्योरीइनक्रिमनोलॉजीग्रिनेअमेरिकन यूनिवर्सिटीजनरलऑफसोषल एण्ड एप्लाइडसांइस 4(8)।
9. षर्मा, राधा आर एण्ड मुखर्जी एस (2012) वूमेनइनइण्डियादेयरओडेसीटूवार्डसइनसिक्योरिटीकोटास, डायवर्सप्रसपेक्टिब्सकेसऑफजेन्डर, ईडस।
10. षा, सी0 एण्ड मैके एच0 (1942) जुवेनाईलडेलीक्यून्सी एण्ड अवरन एरियाजषिकांगो यूनिवर्सिटीऑफषिकांगोप्रेस।

Copyright @ 2020 Authors